


---

# Maya-panchakam

——  
मयापञ्चकम्

——  
Document Information



---

Text title : mAyApanchakam

File name : mAyA5.itx

Category : panchaka, shankarAchArya

Location : doc\_z\_misc\_shankara

Author : Adi Shankaracharya

Transliterated by : Sunder Hattangadi

Proofread by : Sunder Hattangadi

Description-comments : Hymn of 5 verses on Maya

Latest update : March 26, 2002

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 30, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Maya-panchakam

---

### मायापञ्चकम्

---



निरुपमनित्यनिरंशकेऽप्यभाएते  
मयि चिति सर्वविकल्पनाद्विशून्ये ।  
घटयति जगदीशशुभवभेदं  
त्वघटितघटनापटीयसी माया ॥ १ ॥

श्रुतिशतनिगमान्तशोधकान-  
प्यल्लु घनादिनिदृशनेन सधः ।  
कलुषयति यतुष्यदाधभिन्ना-  
नघटितघटनापटीयसी माया ॥ २ ॥

सुभयिदभाएऽविभोधमद्वितीयं  
वियदनलाद्विनिर्मिते नियोज्य ।  
भ्रमयति भवसागरे नितान्तं  
त्वघटितघटनापटीयसी माया ॥ ३ ॥

अपगतगुणवर्णजातिभेदे  
सुभयिति विप्रविडाधर्द्धकृतिं य ।  
स्फुटयति सुतदारगोळभोळं  
त्वघटितघटनापटीयसी माया ॥ ४ ॥

विधिडरिडरविभेदमाप्यभाएते  
अत विरथय्य बुधानपि प्रकामम् ।  
भ्रमयति डरिडरभेदभावा-  
नघटितघटनापटीयसी माया ॥ ५ ॥

एति श्रीमत्परमळंसपरित्राजकाचार्यस्य  
श्रीगोविन्दभगवत्पूज्यपादशिष्यस्य  
श्रीमच्छङ्करभगवतः कृतौ  
मायापञ्चकम्

सम्पूर्णम् ॥

---

Encoded by Sunder Hattangadi

---



*Maya-panchakam*

pdf was typeset on August 30, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

